

प्रेषक,

गोपाल कृष्ण द्विवेदी,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
शहरी विकास विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक-3<sup>९</sup> नवम्बर, 2007

विषय : नगर पालिका परिषद, मसूरी के अन्तर्गत अवस्थापना विकास निधि से वित्तीय वर्ष-2005-06 में स्वीकृत कार्यों की अवशेष धनराशि की चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में स्वीकृति के संबंध में। महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 479/V-श.वि.-06-271(सा.)/2005, दिनांक 06.3.2006 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से नगर पालिका परिषद, मसूरी जनपद देहरादून के अन्तर्गत पांच कार्यों हेतु रु०-789.57 लाख की लागत के आगणन के विपरीत रु०-707.72 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए शासनादेश संख्या 801/V-श०वि०-06-66(सा०)/03 टी०सी० दिनांक 29 मार्च, 2006 के द्वारा रु० 123.71 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई थी। नगर पालिका मसूरी के पत्र सं० 1169/अ. दिनांक 6.11.07 के द्वारा उक्त शासनादेश दिनांक 6-3-2006 के माध्यम से स्वीकृत कार्य क्रमांक-1 गाड़ीखाना कार पार्किंग मद में अवमुक्त धनराशि को अन्य मद में उपयोग की स्वीकृति के अनुरोध कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त कार्य (लाईब्रेरी गांधीचौक के निकट गाड़ीखाना में कार पार्किंग व स्टॉफ क्वाटर्स का निर्माण) की स्वीकृति को निरस्त करते हुए उपरिलिखित शासनादेश दिनांक 6-3-2006 के क्रमांक-1 की निरस्त योजना के लिए स्वीकृत रु० 22.64 लाख (रुपये बाईस लाख चौसठ हजार मात्र) को शासनादेश दिनांक 06.3.2006 के माध्यम से स्वीकृत अन्य चार कार्यों हेतु स्वीकृति हेतु अवशेष धनराशि रु० 470.70 लाख के सापेक्ष स्वीकृत करते हुए तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष के आय-व्ययक से रु. 80.00 लाख (रुपये अस्सी लाख मात्र) की धनराशि अर्थात् कुल रु० 102.64 लाख (रुपये एक करोड़ दो लाख चौसठ हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि से रु० 80.00 लाख (रुपये अस्सी लाख) की धनराशि इस वित्तीय वर्ष के आय-व्ययक से स्वीकृत की जा रही है अतः इसी धनराशि का कोषागार से आहरण किया जायेगा।
2. शेष योजनाओं की अब रु० 594.21 लाख (पांच करोड़ चौरानवें लाख इक्कसी हजार मात्र) की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की जाती है। शासनादेश दिनांक 06.03.06 केवल उक्त सीमा तक ही पुनरीक्षित समझा जाये।
3. उक्त धनराशि आपके द्वारा आहरित कर संबंधित नगर पालिका को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी, जो शासनादेश की शर्तें पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायेंगे।
4. शासनादेश संख्या 479/V-श.वि.-06-271(सा.)/2005, दिनांक 06.3.2006 में उल्लिखित अन्य शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
5. शासनादेश दिनांक 06-03-2006 के माध्यम से स्वीकृत नालों और सड़कों संबंधी कार्यों पर ही स्वीकृत धनराशि का उपयोग किया जायेगा।
6. सम्बन्धित कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी।

(समज)

7. सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायें तथा यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों को पूर्ण नहीं करते हैं तो सम्बन्धित संस्था को अग्रेत्तर धनराशि उक्त मानकों को पूर्ण करने पर निर्गत की जायेगी।
8. स्वीकृत धनराशि का इसी वित्तीय वर्ष में उपयोग करते हुए कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जाये।
9. कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
10. निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
11. मुख्य सचिव महोदय, उत्तरांचल शासन के शासनोदेश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।

2- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 13 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-03- छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-05- नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास" के मानक मद '20 सहायक अनुदान/अंशदान/ राज सहायता' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0सं0-480/XXVII(2)/2006, दिनांक-28 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(गोपाल कृष्ण द्विवेदी)  
अपर सचिव।

सं0-364 (1)/IV-शा0वि0-07, तददिनांक। 30/11/07

प्रतिलिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी/नगर विकास मंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, देहरादून।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी0ओ0 में इसे शामिल करें।
9. अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, मसूरी।
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(ओमकार सिंह)  
अनु सचिव।